उत्तर-

स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं। उनके अधिकतर गानों के साथ नाच का भी पुट होता है। गुजरात का एक प्रकार का दलीय गायन 'गरबा' है जिसे विशेष विधि से घेरे में घूम-घूमकर औरतें गाती हैं। साथ ही लकड़ियाँ भी बजाती जाती हैं जो बाजे का काम करती हैं। इसमें नाच-गाना साथ चलते हैं। वस्तुतः यह नाच ही है। सभी प्रांतों में यह लोकप्रिय हो चला है। इसी प्रकार होली के अवसर पर ब्रज में रसिया चलता है जिसे दल के लोग गाते हैं, स्त्रियाँ विशेष तौर पर। गाँव के गीतों के वास्तव में अनंत प्रकार हैं। जीवन जहाँ इठला-इठलाकर लहराता है, वहाँ भला आनंद के स्रोतों की कमी हो सकती है? उद्दाम जीवन के ही वहाँ के अनंत संख्यक गाने प्रतीक हैं।

प्रश्न 1. स्त्रियों का गायन किस तरह का होता है?

उत्तर- _____

प्रश्न 2. गुजरात के दलीय गायन को किस नाम से जाना जाता है? इसे किस तरह से गाया जाता है?

उत्तर- _____

प्रश्न 3. होली के अवसर पर ब्रज में क्या चलता है?

उत्तर- _____

प्रश्न 4. गद्यांश के आधार पर गाँवों के गीतों की विशेषताओं के बारे में बताइए।

उत्तर- _____

प्रश्न 5. 'जिसका अंत न हो'- गद्यांश से इसके लिए एक शब्द चुनकर लिखिए।

उत्तर- _____